महाविद्यालय के पूर्व छात्र

डॉ. भगवान दास माहौर

डॉ. भगवान दास माहौर का जन्म 27 फरवरी सन् 1910 को तत्कालीन ग्वालियर राज्य के दतिया जिले के ग्राम छोटी बड़ोनी के माहौर ग्वार्रे वैश्य परिवार में हुआ था। आपके पिता का नाम श्री तुलसीदास एवं माता का नाम श्रीमती मन्नी बाई था। आप तीन भाई व एक बहन थी। बड़े भाई का नाम श्री नारायण दास माहौर व छोटे भाई का नाम श्री राधाशरण माहौर था। बहन का नाम रामरती था। आपके छोटे भाई भी देश भक्त थे व उन्हें सन् 1942 में स्वतंत्रता आन्दोलन में गिरफ्तार किया गया था।

आपकी प्राथमिक शिक्षा ग्राम छोटी बड़ोनी में हुई, बाद में आप झांसी में अपने मामा कवीन्द्र नाथूराम माहौर के पास आ गये। हाईस्कूल परीक्षा के बाद आप ग्वालियर आ गये और आगामी अध्ययन हेतु विक्टोरिया कॉलेज (वर्तमान में म.ल.बा. उत्कृष्ट महाविद्यालय) में प्रवेश लिया। देश स्वतंत्र होने के बाद आपने साहित्य रत्न की परीक्षा उत्तीर्ण की। मार्च 1965 में आपको साहित्य महोपाध्याय की उपाधि प्रदान की गई। दिसम्बर 1965 में आपको पी.एच.डी. की उपाधि प्राप्त हुई। बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय झांसी द्वारा वर्ष 1977 में डी-लिट. की मानद उपाधि प्रदान कर आपको सम्मानित किया गया। आपको हिन्दी, अंग्रेजी के साथ-साथ मराठी, संस्कृत, उर्दू एवं फारसी भाषा का भी पर्याप्त ज्ञान था।

डॉ. भगवान दास माहौर ने सन् 1924 में ही क्रांतिकारियों के सम्पर्क में आ गये। क्रांतिकारी दल में शामिल करने से पहले श्री शचीन्द्र नाथ बख्शी एवं श्री चन्द्रशेखर आजाद ने उन पर पिस्तौल चलाकर उनकी परीक्षा ली। बाद में अध्ययन हेतु ग्वालियर आने पर आपने दल की शाखा का गठन किया। आप यहाँ कॉलेज के हॉस्टल में रहे और बाद में चन्द्रवदनी नाका पर रहते थे। इसी समय कुछ क्रांतिकारी साथी (सरदार भगत सिंह, सुखदेव, विजय कुमार सिंह, बटुकेश्वर दत्त) आपके साथ गुप्त रूप से साथ रहे। ग्वालियर में ही जनकगंज में आपने बम बनाने का वर्कशॉप का संचालन भी किया। लाला लाजपत राय पर हुये लाठी चार्ज व उनकी मृत्यु का बदला लेने हेतु 17 दिसम्बर 1928 को लाहौर में अंग्रेज अधिकारी सांडर्स के वध में श्री ... सिंह व श्री आजाद के साथ माहौर जी ने भी भाग लिया था। श्री ... फरार हो गये थे व उनका वारण्ट ''कुठे गुन्तला'' के नाम से ... माहौर जी को दल में कैलाश के नाम से बुलाया जाता था, किन्तु ... गुन्तला'' गीत वे सुमधुर वाणी में गाते थे। अतः दल के सदस्य ... गुन्तला'' नाम से भी बुलाते थे। कॉकोरी षड्यंत्र प्रकरण में जब ... झांसी में गुप्त रूप से रह रहे थे, तब अन्य साथियों के साथ माहौर ... उनकी सुरक्षा व्यवस्था में मुख्य भूमिका निभायी। श्री ... मलकापुरकर के साथ जब माहौर जी 11 सितम्बर 1929 ... स्टेशन पर बम बनाने की सामग्री व पिस्तौल के साथ उतरे, तो ... उन्हें गिरफ्तार कर लिया। उन्होंने गवाहों को खत्म करने की ... दिनांक 21 फरवरी 1930 को जलगांव की सेशन कोर्ट के अहाते ... एप्रूव्हरों पर रिवाल्वर से गोली चलाई, किन्तु वे मरे नहीं केवल ... लगने से घायल हो गया। एक केस तो चल ही रहा था, हत्या के ... केस और चला, इन्हें आजीवन काले पानी का कारावास हो गया ... 1938 को कारावास से मुक्त हुये व पुनः द्वितीय विश्व युद्ध के ... 1940 को भारत रक्षा कानून 1939 के तहत गिरफ्तार कर ... जुलाई 1945 में रिहा किये गये। आपने अपनी 15 वर्ष की ... जेल, फतेहपुर, धूलिया, आर्थर रोड, बम्बई, साबरमती (... काटी।

स्वतंत्रता आन्दोलन में अनेक साहित्यकार/क्रांतिकारी ... रहे अथवा सम्पर्क में आये –

श्री ताराचन्द्र पाल 'बेकल', श्री रामकृष्ण त्रिवेद (राज्य... श्री भगवान दास सेठ 'कक्का', डॉ. राम विलास शर्मा, श्री ... वर्मा, राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त, श्री हरिहर निवास द्विवेदी, ... वर्मा, डॉ. भगवान दास गुप्ता, श्री मन्मथ नाथ गुप्त, मास्टर ...

श्री सदाशिवराव मलकापुरकर, श्री विश्वनाथ गंगाधर वैशम्पायन, बिस्मिल, श्री चन्द्रशेखर आजाद, श्री भगत सिंह, श्री शचीन्द्र श्री विजय कुमार सिन्हा, श्री मणिलाल शर्मा, श्री बच्चा बाबू, श्री सिंह, श्री गोकुल भाई, श्री मुदित नारायण नायर, श्री ससेन बनर्जी, बोहरा (बाद में एप्लूवर), श्री अमृत लाल नानावटी (इनसे डॉ. व्यवस्थित संगीत की शिक्षा ग्रहण की), श्री चेलाराम, श्री सुखदेव, श्री शिव वर्मा, श्री सीताराम भास्कर भागवत, खनियाधाना के खलक सिंह जूदेव, डॉ. गया प्रसाद, पं. परमानन्द झांसी वाले, सिंह, श्री गजानन पोतदार, श्री शंकरराव मलकापुरकर, श्री श्री हरिदास सिंह (इनके सम्पर्क में आपने पर डॉ. माहौर की यन के प्रति रुचि जागृत हुई) आदि।

माहौर द्वारा लिखित दो पुस्तकों का प्रकाशन बेतवा वाणी के माध्यम हुआ। आपने '1857 के स्वतंत्रता संग्राम का हिन्दी साहित्य पर ग्रन्थ लिखा। यश की धरोहर में संस्मरण लिखे। आपका शीर्षक से एकांकी संग्रह एवं सुमन संचय शीर्षक से निबन्ध संग्रह, चन शीर्षक से राजनैतिक लेख संकलन प्रकाशित हुआ। शास्त्रीय अनेक लेख डॉ. माहौर ने लिखे। अग्नि स्वर शीर्षक से आपका ग्रह प्रकाशित हुआ जिसका सम्पादन डॉ. विशम्भर आरोही द्वारा । डॉ. माहौर ने फागों की भी रचना की जो 'भगोनी की फागों' के र्वित हुई। डॉ. माहौर के ऊपर 'झांसी का शेर' शीर्षक से श्री भगवान 'कक्का' द्वारा पुस्तक की रचना की गई।

माहौर ने सर्वप्रथम झांसी के म्युनिसिपल बोर्ड में शिक्षा निरीक्षक की । साप्ताहिक पत्र स्वतंत्र जागरण में सम्पादन का दायित्व निभाया। डिग्री कॉलेज में लेक्चरर नियुक्त हुये। आपने प्राध्यापक के का निर्वहन किया। बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय के प्रथम कुलपति श्री लिक द्वारा बुन्देली परिषद् का गठन कर उसका अध्यक्ष डॉ. माहौर किया गया।

विश्वविद्यालय परिसर में स्थापित प्रसिद्ध क्रांतिकारी अमर चन्द्रशेखर आजाद की मूर्ति के अनावरण कार्यक्रम में दिनांक 10 मार्च डॉ. माहौर उद्बोधन के समय सन् 1857 के प्रथम स्वतंत्रता के समय का अभियान गीत 'हम हैं इसके मालिक हिन्दुस्तान हमारा' तब ही उन्हें हृदयाघात हुआ और 12 मार्च 1979 को उपचार के भारत माता के सच्चे सपूत का देहावसान हो गया। उनकी शवयात्रा प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री बनारसीदास गुप्ता, मंत्रीगण व सुप्रसिद्ध के साथ सम्मिलित हुये। उनकी अंतिम यात्रा में आई.एन.ए. आगे-आगे चल रहा था। यही नहीं डॉ. माहौर को 21 तोपों की सलामी उनका दाह संस्कार पूर्ण राजकीय सम्मान के साथ किया गया।

चन्द्रशेखर आज़ाद विक्टोरिया कॉलेज में

(एक प्रेरणास्पद रोचक संस्मरण)

यह घटना 1929 की है जब पं. चन्द्रशेखर आज़ाद अपना अज्ञातवास जगह-जगह घूमकर काट रहे थे। भगवान दास माहौर आगे की पढ़ाई करने के लिये झांसी से ग्वालियर आ गये थे और प्रसिद्ध विक्टोरिया कॉलेज (वर्तमान में एम.एल.बी. कॉलेज) में बी.ए. के छात्र होकर यहीं डिग्री हॉस्टल में रह रहे थे। यहाँ हर नये आगन्तुक की ''रैगिंग'' भूतों द्वारा की जाती थी। इन भूतों के कहर से कोई नहीं बच पाया था। संयोग से बिना सूचना दिये आज़ाद अपने मित्र भगवान दास माहौर से मिलने इस ऐतिहासिक हॉस्टल में आ पहुँचे। भगवान दास माहौर के ही कमरे में उन्हें दो-तीन दिन रुकना था। दिक्कत उनके रुकने में नहीं थी, बल्कि परेशानी 'भूतों' से थी। दरअसल हॉस्टल के विद्यार्थी अपने 'भूत-कार्यक्रम' के जरिये सामने वाले के हौंसले की परख करते थे और उस दिन भूतों के शिकार होने जा रहे थे, महान क्रांतिकारी चन्द्रशेखर आजाद। भगवानदास माहौर बड़े चिंतित थे कि क्या किया जाए। अगर असलियत आजाद को बता देते हैं तो हॉस्टल के साथियों का कोप-भाजन बनना पड़ेगा और आज़ाद को नहीं बताते हैं तो कुछ अनहोनी भी हो सकती है, जो कि उनकी जेब में रहने वाली पिस्तौल से थी। जिसके कारण कोई छात्र सचमुच ही भूत बन सकता है। इसी मंशा से उन्होंने आज़ाद से कहा कि अच्छा ही होगा कि आप अपनी पिस्तौल मेरे संदूक में रख दें। बड़े मान मनव्वल के बाद आखिरकार आजाद पिस्तौल को माहौर जी के संदूक में रखने को तैयार हो गये। अंधकार अपने पैर पसारने लगा था और उधर 'भूतों की महफिल' सजने की दशा में अग्रसर हो रही थी। आजाद और भगवानदास जी भी भोजन करके लौट आये थे और बाहर चारपाइयाँ बिछाकर सोने की तैयारी करने लगे। पिस्तौल पास न होने के कारण आज़ाद काफी चौकन्ने थे। रात्रि के लगभग ग्यारह बजने को थे। अचानक कुछ डरावनी आवाजें आनी शुरू हुईं और कुछ दूरी पर कुत्तों के रोने और चीखने-चिल्लाने के स्वर माहौल को डरावना बना रहे थे। आजाद जो अधमुँदी आँखों से लेटे-लेटे जायजा ले रहे थे, तुरन्त उठकर बैठ गये। फिर भगवानदास जी के पास गुस्से में आकर उन्हें झँकझोरते हुए बोले- ''ये सब क्या तमाशा है ? मैं देखता हूँ इन भूतों को। लातों के भूत बातों से नहीं मानने वाले।'' ये कहकर आजाद उठे, उन्होंने मैदान में पड़े पत्थर अपनी जेब में भरे और उस तरफ चल पड़े, जहाँ 'भूत लीला' हो रही थी और उन्होंने पत्थरों की बारिश शुरू कर दी। जो भूत अभी मंथर गति से नाच रहे थे, वे जान लेकर भागे। कई भूतों के सिर से भूत उतर चुके थे। दूसरे दिन 'भूत विजेता' आजाद को मित्र मंडली ने सम्मानित किया। जब हॉस्टल के साथियों को आजाद का असली परिचय भगवान दास माहौर ने दिया, तो वे सभी उनके परम भक्त हो गये और जीवन पर्यंत किसी न किसी तरह आजादी के इस आज़ाद फरिश्ते की हर संभव मदद करते रहे।

साहित्यिक एवं सांस्कृतिक समिति

शासन के आदेशानुसार महाविद्यालय में 22 विधाओं में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन माह सितम्बर 2017 में किया गया। जिसमें छात्र-छात्राओं ने बड़ी संख्या में सहभागिता की। विभिन्न विधाओं में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को अन्तर्महाविद्यालयीन प्रतियोगिताओं हेतु विश्वविद्यालय भेजा गया।

मतदाता जागरूकता कार्यक्रम जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा आयोजित प्रतियोगिताओं में महाविद्यालय के दल ने सहभागिता की निबंध प्रतियोगिता में गिरीष शर्मा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया एवं वाद-विवाद प्रतियोगिता में तृतीय स्थान प्राप्त किया। मंदार केतकर को वाद-विवाद प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ एवं अमित बाथम को चित्रकला प्रतियोगिता में द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ।

आदिशंकराचार्य की प्रतिमा हेतु धातु संग्रहण एवं जन जागरण के अंतर्गत महाविद्यालय के छात्र दल ने उत्साह से भाग लिया। विवेकानंद केन्द्र कन्याकुमारी शाखा ग्वालियर ने महाविद्यालय में 'उठो जागो' प्रतियोगिता का आयोजन किया। महाविद्यालय में 2 अक्टूबर से 8 अक्टूबर के मध्य मादक द्रव्यों, नशीले पदार्थों के निषेध संबंधी कार्यक्रम आयोजित किये गये। माननीय प्रधानमंत्री द्वारा 'संकल्प से सिद्धि' कार्यक्रम में महाविद्यालय के दल ने सहभागिता की एवं पुरस्कार प्राप्त किये। महाविद्यालय के पाँच छात्र-छात्राओं - कु. आस्था तोमर, मंदार

केतकर, उदित नारायण दीक्षित, कु. आरती सिंह, कु. राधा शर्मा को पुरस्कार प्राप्त हुये। 'नेहरू युवा केन्द्र संगठन' द्वारा जिला स्तरीय भाषण प्रतियोगिता में गिर्राज शर्मा को द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ। गिर्राज शर्मा को भाषण प्रतियोगिता हेतु नेहरू युवा केन्द्र संगठन द्वारा 2000/- दो हजार रुपये का नगद पुरस्कार की घोषणा की गयी।

वीरांगना
सत्र : 2017-2018

एक भारत श्रेष्ठ भारत.....

कौशल श
बी.ए. (VI Sem.)

मध्य प्रदेश का दल

एक भारत श्रेष्ठ भारत कार्यक्रम के अन्तर्गत देश के विभिन्न भागों के लोगों के बीच सांस्कृतिक संबंधों को मजबूत बनाने और देश के अलग-अलग राज्यों में रहने वाले लोगों के बीच आपसी संपर्क बढ़ाने के लिए भारत सरकार द्वारा देश में ''देश में एक भारत श्रेष्ठ भारत'' कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं। इसी श्रृंखला में उच्च शिक्षा विभाग मध्य प्रदेश शासन द्वारा मणिपुर एवं नागालैण्ड में शैक्षणिक एवं शैक्षणोत्तर युवा आदान-प्रदान करना था। इसके लिये प्रदेश से 4 प्राध्यापक व 13 छात्रों का चयन किया गया। जिसमें ग्वालियर संभाग से मेरा चयन किया गया। मेरा चयन सांस्कृतिक विधा में उत्कृष्टता के आधार पर किया गया। इस 10 दिवसीय यात्रा में हमें 14 मार्च से 25 मार्च तक म.प्र. की संस्कृति का प्रदर्शन करना था। और पूर्वोत्तर की संस्कृति का अध्ययन करना था।

इस यात्रा के कुछ स्मरणीय अनुभव मैं आपके साथ साझा कर रहा हूँ। 14 मार्च 2018 को हम रात्रि में भोपाल से राजधानी एक्सप्रेस से नागालैण्ड के लिए रवाना हुए। 16 मार्च को हम नागालैण्ड के शहर दीमापुर पहुँचे। वहाँ पहुँचने पर नागालैण्ड सरकार के अधिकारियों द्वारा हमारा जोरदार स्वागत किया गया और हमको रात्रि विश्राम के लिए होटल में ले जाया गया।

सुबह होते ही दीमापुर के टैक्सले कॉलेज पहुँचे, वहाँ भी हमारा जोरदार स्वागत किया गया। वहाँ जाकर हमने मध्यप्रदेश गान और बधाई गीत की प्रस्तुति दी और वहाँ के छात्रों ने भी नागालैण्ड के पारंपरिक गीत और नृत्य की प्रस्तुति के साथ-साथ वैस्टर्न डांस भी किया। दीमापुर बहुत खुबसूरत शहर है। इसका तापमान सामान्य रहता है। दीमापुर में हमें 2 दिन में 6 कॉलेज विजिट करना थे। अगले दिन शाम को हमें दीमापुर के ''नागालैण्ड जूलोजिकल पार्क'' घुमाने के लिये ले जाया गया। वहाँ जंगली जानवर स्वतंत्र रूप से विचरण करते हैं। जिस दिन हम पार्क घुमने गये उस दिन वहाँ हल्की-हल्की बारिश हो रही थी। बारिश में घूमने में अलग ही मजा आ रहा था। हमने वहाँ फोटो लिये और खूब मस्ती की।

अब 18 मार्च को हमें नागालैण्ड की राजधानी कोहिमा के लिए रवाना होना था। हम दोपहर दीमापुर से कोहिमा के लिए निकले। कोहिमा लगभग 550 फीट की ऊँचाई पर बसा है। ऊँचे-ऊँचे पहाड़ों के बीच दौड़ती हमारी गाड़ियाँ। टेढ़े-मेढ़े रास्ते काफी खतरनाक भी थे, परन्तु बहुत मजा आ रहा था।

कोहिमा पहुँचते ही हम सभी कोहिमा की खूबसुरती को देखकर दंग थे। मौसम का अलग ही मिजाज देखने को मिला, वहाँ बहुत ठण्ड थी। हमें तत्काल अपने गर्म कपड़े निकालने पड़े। हजारों फीट की ऊँचाई पर बसा कोहिमा, कोहिमा की खूबसूरती को मैं अपने होटल की बॉलकनी से निहारे जा रहा था। माचिस की डिब्बियों की तरह बने घर और बड़े-बड़े चर्च हमें वहाँ देखने को मिले हैं। नागालैण्ड की 80 प्रतिशत जनसंख्या ईसाई है।

फैशन के मामले में तो ऐसा लगता है। मानो हम लंदन में घूम रहे हों। रात को कोहिमा का दृश्य ऐसा लगता है, मानो सितारे जमीन पर आ गये हों। कोहिमा में भी हमको दो दिन विभिन्न कॉलेजों में जाकर संस्कृति का आदान-प्रदान करना था।

अगले दिन हमें नागालैण्ड के महामहिम राज्यपाल पी.बी. आचार्य जी से उनके निवास कोहिमा राजभवन ले जाया गया। वहाँ उनसे लगभग 1.30 घण्टे देश के मुद्दों पर बातचीत हुई, और राज्यपाल जी ने हमें उपहार भी भेंट किये। इसी के साथ कोहिमा साइंस कॉलेज के भव्य सभागार में मुझे अटल जी की कविता के वाचन का मौका मिला। और हमने कोहिमा में द्वितीय विश्व युद्ध की वर्ल्ड वार सीमेट्री एवं स्टेट म्यूजियम देखा। इस तरह हमारी दिवसीय नागालैण्ड की यात्रा का समापन हुआ। नागालैण्ड के लोग जीवन जीना जानते हैं, कम संसाधन में खुश रहना जानते हैं। नागालैण्ड-मणिपुर बार्डर माओ गेट पर हम मणिपुर सरकार के

पुर के लिए रवाना हुए। वहीं ऊँचे-ऊँचे पहाड़ों के बीच हमको लगभग 5 घण्टे का सफर तय करना था। हम लगभग रात्रि 7 बजे मणिपुर की राजधानी इम्फाल पहुँचे, वहाँ इम्फान क्लासिकल होटल में रुकने की व्यवस्था थी। मणिपुर का तापमान सामान्य रहता है। मणिपुर में भी हमने 5 दिन मणिपुर के अलग-अलग शहर के महाविद्यालयों में जाकर संस्कृति का आदान-प्रदान किया। 22 मार्च को हमें मणिपुर की महामहिम राज्यपाल नजमा हेपतुल्ला जी से मिलने ले जाया गया।

मणिपुर में हमें रामलीला देखने को मिलती है। मणिपुरी नृत्य और गीत अत्यंत खूबसूरत होते हैं। सबसे ज्यादा आकर्षित करने वाली चीज मणिपुरी थाली थी। जो कि केले के पत्ते की होती है। थाली में लगभग 48 प्रकार के अत्यंत स्वादिष्ट भोजन परोसे जाते हैं। जिसमें सबसे ज्यादा स्वादिष्ट काला चावल होता है। जो कि चॉकलेट की तरह लगता है। मणिपुर में हमने कई पर्यटक स्थल घूमे। 24 मार्च को हम वापस दीमापुर के लिए रवाना हुए। और इस प्रकार बहुत ही खूबसूरत यादों और नये दोस्तों के साथ इस यात्रा का समापन हुआ। यह मेरे जीवन की सबसे ज्यादा यादगार यात्रा रही।

विशेष :

1. पूर्वोत्तर के राज्य सांस्कृतिक और प्राकृतिक रूप से अत्यंत धनी राज्य है।
2. कोहिमा की खूबसूरती और रात का दृश्य अत्यंत ही मनमोहक लगता है।
3. नागालैण्ड के लोग जीवन-जीना जानते हैं। वहाँ के शहर अत्यंत शांत एवं स्वच्छ हैं। इनका ट्रेफिक सिस्टम काबिले तारीफ है।
4. नागालैण्ड के शिक्षण संस्थान ऐसा लगता है मानो प्रकृति की गोद में बसे हों। वहाँ के लगभग 70% विद्यार्थियों को गिटार बजाना और सिंगिग करना आती है।
5. मणिपुर एवं नागालैण्ड का वातावरण अलग है। वहाँ शाम 5 बजे ऐसा लगता है मानो रात के 9 बज गये हों और सुबह 4 बजे सूरज निकलते ही पूरा बाजार चालू हो जाता है।
6. मणिपुर में नारी सशक्तीकरण का उदाहरण देखने को मिला वहाँ छोटी दुकान से लेकर बड़े-बड़े मॉल का संचालन महिलाओं द्वारा ही किया जाता है। ईमा मार्केट जो कि इम्फाल की सबसे बड़ी मार्केट है। वहाँ लगभग 4000 महिलायें काम करती हैं।

•••

शिक्षा, पाठ्येतर कार्यक्रमों तथा समाज सेवा में महाविद्यालय के विद्यार्थियों का योगदान

राघवेन्द्र सिंह तोमर

छात्र संघ अध्यक्ष

- छात्र संघ अध्यक्ष के रूप में विभिन्न सामाजिक गतिविधियों में सक्रिय रहा हूँ।
- बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम में जनजागरण में सक्रिय भूमिका रही।
- समाज के विभिन्न संगठनों में सामाजिक एकता एवं सद्भाव बनाए रखने में मैं एवं मेरे सहयोगी सदस्यों की सक्रियता रही।
- स्वच्छता एवं कैशलेस बैंकिंग जैसे राष्ट्रीय कार्यों में मेरा सक्रिय सहयोग रहा।
- छात्राओं की सुरक्षा एवं छेड़छाड़ के विरोध में मैं और मेरे सहयोगी हमेशा आगे रहे।

कौशल शर्मा

सचिव, छात्रसंघ

- भारत सरकार द्वारा आयोजित एक भारत-श्रेष्ठ भारत के तहत ग्वालियर संभाग के एम.एल.बी. महाविद्यालय से सांस्कृतिक विधा में उत्कृष्ट योगदान के आधार पर चयनित।
- इस कार्यक्रम में म.प्र. के दल को पूर्वोत्तर के दो राज्य मणिपुर व नागालैण्ड में विद्यार्थी शिक्षक द्वारा सांस्कृतिक विधाओं का आदान-प्रदान किया गया। विद्यार्थी द्वारा 'अटल बिहारी वाजपेयी जी' की कविता का वाचन किया गया।
- आपके द्वारा शहीद भगत सिंह की जीवनी को नाटक द्वारा प्रदर्शित किया गया।

नितिन भार्गव

बी.कॉम. द्वितीय वर्ष

स्वयं सेवक रा.से.यो.

कक्षा प्रतिनिधि

'राष्ट्रीय सेवा योजना' के कार्यक्रमों में राष्ट्रीय व राज्य स्तर पर विशेष उपलब्धियाँ निम्न हैं –

- 22वाँ राष्ट्रीय युवा महोत्सव, ग्रेटर नोएडा में जीवाजी विश्वविद्यालय के 10 सदस्यीय दल का नेतृत्व किया एवं महाविद्यालय को प्रस्तुत किया।
- राज्य स्तर नेतृत्व प्रशिक्षण (रा.से.यो.) देवी अहिल्या बाई वि.वि., इन्दौर में आयोजित शिविर में जीवाजी वि.वि. के 64 सदस्यीय दल का नेतृत्व किया।
- जिला बड़वानी के 3 गाँवों में अपने नेतृत्व में 800 लोगों का आर्थिक सर्वे किया।
- ग्राम पिपलाज जिला बड़वानी में चार सोखता गड्ढा व तीन नालियों का निर्माण किया गया।
- 22वें राष्ट्रीय युवा महोत्सव में युवा संसद में 29 राज्य 97 केन्द्र शासित प्रदेश के प्रतिनिधियों के बीच में महाविद्यालय को प्रस्तुत कर नारी सशक्तिकरण पर स्वयं की बात रखी गयी।

मोहित सोनी

बी.ए (द्वितीय वर्ष)

- राष्ट्रीय संकटों के निवारण में विवेकानन्द जी के विचार पर परिचर्चा में सहभागिता (दिनांक 13-1-17)
- कैशलेश इण्डिया केम्पेन में सहभागिता (दिनांक 28-1-17)
- स्वच्छता अभियान (साइंस कॉलेज) (दिनांक 29-1-17)

अमित सिंह राजावत

एलएल.बी.

- बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम में जनजागरण में सक्रिय भूमिका।
- समाज के विभिन्न संगठनों में सामाजिक एकता एवं सद्भाव बनाए रखने में सक्रियता।
- स्वच्छता एवं कैशलेस बैंकिंग जैसे राष्ट्रीय कार्यों में सक्रिय सहयोग।
- छात्राओं की सुरक्षा एवं छेड़छाड़ का विरोध।

कु. शिवानी गुप्ता

विश्वविद्यालय प्रावीण्य सूची में प्रथम स्थान प्राप्त छात्र

- श्री आकाश कुमार मिश्रा, दर्शन शास्त्र
- श्री अखिलेश कांत, मनोविज्ञान
- कु. गुंजन गौड़, विधि
- श्री प्रहलाद प्रजापति, अन्तर्राष्ट्रीय संबंध
- कु. शिवानी गुप्ता, भूगोल

डॉ. शंकर दयाल शर्मा स्वर्ण पदक प्राप्त

- कु. शिवानी गुप्ता, एम.ए. (भूगोल)

हिन्दी विभाग

सत्र 2017-18 में हिन्दी विभाग में अनेक उल्लेखनीय कार्य सम्पन्न हुए। 14 सितम्बर 2017 को हिन्दी दिवस पर भव्य कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें मुख्य वक्ता डॉ. विद्यालंकार जी तथा डॉ. राजरानी शर्मा उपस्थित थे। 31 जुलाई को प्रेमचंद जयंती का आयोजन किया गया, जिसमें विभाग के वरिष्ठ प्राध्यापकों ने साहित्य में प्रेमचन्द के योगदान की चर्चा की तथा एम. ए. के विद्यार्थियों ने भी प्रेमचंद जी पर अपने विचार रखे। पत्र लेखन की कार्यशाला कराई गयी, जिसमें स्नातक एवं स्नातकोत्तर के लगभग 50 छात्र-छात्राओं ने सहभागिता की, तथा अनौपचारिक पत्र-लेखन की प्रतियोगिता सम्पन्न करायी गयी। पुरस्कृत छात्रों को वार्षिकोत्सव में पुरस्कार प्रदान किये जाने की घोषणा की गयी। अशुद्धि-संशोधन पर कार्यशाला आगामी दिनों में प्रस्तावित है।

विभाग में माँ सरस्वती को माल्यार्पण करते हुये प्रसिद्ध साहित्यकार श्री महेश कटारे

इसके अतिरिक्त विभाग के सभी प्राध्यापकों ने दो-दो अन्तर्राष्ट्रीय एवं तीन-तीन राष्ट्रीय शोध संगोष्ठियों में सहभागिता की। डॉ. सुमन सिकरवार का एक शोधपत्र तथा एक समीक्षा, डॉ. ममता गोयल का 1 शोध पत्र तथा डॉ. श्रद्धा सक्सेना की दो समीक्षाएँ एवं दो शोधपत्र प्रकाशित हुए। डॉ. राजकुमार सिंह डॉ. सतीश जोशी के मार्गदर्शन में एक-एक शोध प्रबंध वि.वि. में जमा हुआ।

डॉ. श्रद्धा सक्सेना का एन.एस.एस. की पूर्व गणतंत्र दिवस की चयन-समिति में मनोनयन किया गया। विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों में तीन बार मुख्य अतिथि एवं 8 बार मुख्य वक्ता के रूप में व्याख्यान दिये गये। तीन संस्थाओं द्वारा हिन्दी दिवस एवं अन्य अवसरों पर सम्मानित किया गया। जीवाजी विश्वविद्यालय की रिसर्च डिग्री कमेटी 28-17 की शिक्षक नियुक्ति में विशेषज्ञ के रूप में मनोनयन किया गया। सभी प्राध्यापकों द्वारा आब्जर्वर के रूप में प्राइवेट कॉलेज में छात्र संघ चुनाव सम्पन्न कराए गए। विभागीय सभी प्राध्यापकों द्वारा छात्रों को व्यक्तित्व निर्माण, सम्वाद-कौशल तथा लेखनकला का प्रशिक्षण दिया गया। प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी श्रीमती उमा टंडन की स्मृति में प्रशांत शाक्य को 1500/- रुपये तथा संतोष साहू को 1000/- रुपये की प्रोत्साहन राशि प्रदान की गयी। इसके अतिरिक्त एम.ए. के दो छात्र अंकित मंगल की म.प्र. शासन में अंकेक्षण अधिकारी एवं अनूप चंदनावत की पटवारी के पद पर नियुक्ति हुई।

अक्षयदीप राय और बलराम सिंह की पुलिस के आरक्षक पद के लिये नियुक्ति हुई। विवेक शर्मा की रेलवे में नियुक्ति हुई।

6. इस सत्र में विभाग के चार प्राध्यापकों के 11 आलेख पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान की प्रतिष्ठित पत्रिकाओं एवं ग्रंथों में प्रकाशित हुए।
7. इस सत्र में विभाग के सभी प्राध्यापकों ने विषय से संबंधित विभिन्न संस्थाओं में आयोजित, राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलनों में विषय विशेषज्ञों के रूप में सहभागिता की, व्याख्यान दिए एवं सत्रों की अध्यक्षता की।
8. विभाग के पूर्व विद्यार्थियों पवन गुप्ता, कपिल गुप्ता, ज्योति चौरसिया और रामकिशोर द्वारा इस वर्ष 2017 की यू.जी.सी. नेट लेक्चरशिप की पात्रता परीक्षा उत्तीर्ण की।
9. विभाग में प्रो. जे.एन. गौतम, प्राध्यापक, पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान अध्ययनशाला, जीवाजी विश्वविद्यालय का पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान में रोजगार विषय पर प्रसार व्याख्यान का आयोजन 15-3-2018 को किया गया।

पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग

विगत सत्रों की भाँति इस सत्र में भी विद्यार्थियों की स्नातकोत्तर परिषद् का गठन किया गया, जिसमें एम.यू.एस.सी. से नेहा अग्रवाल को अध्यक्ष, कमला जाटव उपाध्यक्ष, बी.यू.एस.सी. के विद्यार्थियों में अंकिता शर्मा सचिव, प्रभा वार्ष्णेय सहसचिव, काव्या रस्तोगी, रूखसार खान तथा प्रशांत माहोर को इस परिषद् में सदस्य मनोनीत किया गया।

विभाग में बी.यू.एस.सी. एवं एम.यू.एस.सी. के विद्यार्थियों द्वारा भारत में पुस्तकालय विज्ञान के जनक पद्मश्री डॉ. एस. आर. रंगनाथन की पुण्यतिथि 27 सितम्बर, 2017 के अवसर पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यार्थियों द्वारा डॉ. रंगनाथन के पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान के क्षेत्र में योगदानों एवं उनके जीवन परिचय को विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से दर्शाया गया।

एम.यू.एस.सी. के विद्यार्थियों द्वारा बी.यू.एस.सी. के विद्यार्थियों के लिए परिचय समारोह का आयोजन किया गया जिसमें विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

महाविद्यालय में आयोजित विभिन्न सांस्कृतिक एवं साहित्यिक प्रतियोगिताओं में बी.यू.एस.सी. एवं एम.यू.एस.सी. के विद्यार्थियों ने भाग लेकर विभिन्न स्थान प्राप्त किये।

इस सत्र में डॉ. सरिता वर्मा के मार्गदर्शन में एक शोधार्थी एवं डॉ. जितेन्द्र श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में एक शोधार्थी को जीवाजी विश्वविद्यालय द्वारा पी-एच.डी. की उपाधि प्रदान की गई। प्रो. जितेन्द्र श्रीवास्तव एवं प्रो. सरिता वर्मा के मार्गदर्शन में दो-दो शोधार्थियों के द्वारा जीवाजी विश्वविद्यालय में पी-एच.डी. की उपाधि हेतु शोध प्रबंध प्रस्तुत किया गया।

10. विगत सत्रों की भाँति इस सत्र में भी वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह में स्व. (डॉ.) शालिनी खेड़ीकर स्मृति पुरस्कार सत्र 2016-17 से एम.लिब. आई.एस.सी. छात्रों को सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाले छात्र श्री दिव्यांशु जैन एवं छात्राओं में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने वाली छात्रा कु. अशिता थापा को दिया गया। इस पुरस्कार में प्रत्येक विद्यार्थी को रु. 1001/- की प्रोत्साहन राशि दी गई।
11. सत्र के अंत में बी.एल.आई.एफ.सी. के विद्यार्थियों द्वारा एम.एल.आई.एस.सी. के विद्यार्थियों के लिए विदाई समारोह का आयोजन किया गया।

– नीरजा वर्मा

सैन्य विज्ञान विभाग

सत्र के दौरान सैन्य विज्ञान विभाग में डॉ. के. एस. राठौर के मार्गदर्शन में शैक्षणिक एवं शैक्षणेत्तर गतिविधियाँ सम्पन्न हुई । स्नातक एवं स्नातकोत्तर के छात्र-छात्राओं को सैन्य बलों, पैरामिलिट्री फोर्सेस एवं अन्य प्रशासनिक सेवाओं में जाने के लिये जॉब ओरिएन्टेड कार्यशालाएँ आयोजित की गईं । छात्रों को इस सम्बन्ध में प्रिन्टेड मटेरियल तथा इन्टरनेट पर उपलब्ध जानकारी भी प्रदान की गई । डॉ. किशोर सिंह राठौर के मार्गदर्शन में 4 छात्र पी.एच.डी. हेतु कार्यरत हैं । डॉ. विष्णुकांत शर्मा के मार्गदर्शन में पी.एच.डी. हेतु 5 छात्र कार्यरत हैं । सत्र के दौरान उन्होंने दो शोध संगोष्ठियों में अपने शोध पत्र प्रस्तुत किये एवं 1 राष्ट्रीय स्तर की शोध कार्यशाला में भाग लिया । उनके द्वारा सत्र के दौरान 2 पुस्तकों का लेखन किया गया । प्रो. शर्मा ने नरोन्हा प्रशासनिक अकादमी, भोपाल में सूचना के अधिकार पर आयोजित कार्यशाला में सफल भागीदारी की । डॉ. महेश दुबे ने छात्रों का विशेष मार्गदर्शन किया । सत्र के दौरान प्रतिरक्षा सेनाओं के अधिकारी एवं विषय के वरिष्ठ प्राध्यापकों के व्याख्यान आयोजित किए गए तथा उनसे मार्गदर्शन प्राप्त किया गया । सैन्य विज्ञान स्नातकोत्तर छात्र परिषद के तत्वावधान में कई कार्यक्रमों का आयोजन किया गया ।

एन.सी.सी.आर्मी विंग

मेजर डी. एस. राणा के नेतृत्व में महाविद्यालय में आर्मी विंग के दो प्लाटून कार्यरत हैं, जिनमें 107 छात्र-सैनिक भर्ती हैं । इस वर्ष दो छात्र-सैनिक कैडेट गोविन्द तोमर एवं कैडेट एस. के. द्विवेदी थलसैनिक कैम्प दिल्ली में सम्मिलित हुए । आप दोनों ने मध्य प्रदेश तथा छत्तीसगढ़ निदेशालय के दल में महाविद्यालय का प्रतिनिधित्व किया । इसी वर्ष एक छात्र-सैनिक कैडेट पंकज नयन आर्मी में ऑफिसर के रूप में चयनित हुआ । दो अन्य छात्र-सैनिक उपेन्द्र सिंह धाकड़ तथा भूपेन्द्र पटेल सब इंस्पेक्टर के रूप में चयनित किए गए । आर्म्ड फोर्सेस के रैंकों में भी अनेक छात्र भर्ती हुए । एस.यू.ओ. उपेन्द्र धाकड़ आर.डी.सी. दिल्ली में सम्मिलित हुए तथा वहीं से उनका चयन यूथ एक्सचेंज प्रोग्राम में हुआ । आप भारतीय दल के सदस्य के रूप में कजाकिस्तान गए । एस.यू.ओ. धाकड़ को मध्य प्रदेश शासन की तरफ से उल्लेखनीय उपलब्धियों के कारण बेस्ट कैडेट अवार्ड 25,000/- रुपये नगद पुरस्कार के साथ भोपाल में आयोजित कार्यक्रम में दिया गया।

SUO UPENDRA SINGH DHAKAD
RDC - 2018,YEP- KAZAKHSTAN - 2018

महाविद्यालयीन आर्मी विंग की कम्पनियों के कमान अधिकारी मेजर डी. एस. राणा को मध्य प्रदेश शासन द्वारा मुख्यमंत्री अतिविशिष्ट एन.सी.सी. अधिकारी अवार्ड से भोपाल में आयोजित कार्यक्रम में माननीय केबिनेट मंत्री श्री विजय शाह के द्वारा नवाजा गया । मेजर राणा की कम्पनी विगत वर्षों से 4 छात्र-सैनिक यूथ एक्सचेंज प्रोग्राम के अन्तर्गत विदेश जा चुके हैं । एक कैडेट ऑल इंडिया बेस्ट कैडेट के रूप में चयनित हुआ है तथा प्रत्येक वर्ष इस कम्पनी के छात्र आर.डी.सी., नई दिल्ली में शामिल होते रहे हैं । कम्पनी के छात्र सेना तथा अन्य आर्म्ड फोर्सेस में ऑफिसर तथा अन्य रैंकों में नियमित रूप से चयनित हो रहे हैं ।

मुख्यमंत्री अतिविशिष्ट एन.सी.सी. अवार्ड प्राप्त करते हुए मेजर डी. एस. राणा

चटर्जी डिविजन

3 म. प्र. नेवल यूनिट एन.सी.सी., ग्वालियर

चटर्जी डिविजन के कैडेट शैलेन्द्र सिंह तोमर तथा कैडेट भरत सिंह ने गणतंत्र दिवस समारोह 2018 में भाग लिया । यह महाविद्यालय के लिए गौरव का विषय है । इसके साथ ही कैडेटों ने संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर में भाग लिया । छात्रों ने राष्ट्रीय एकता शिविर, भरतपुर में भाग लिया । कैडेटों ने साक्षरता अभियान, कैशलेस इंडिया, डिजिटल साक्षरता, वृक्षारोपरण, स्वच्छता अभियान में बढ़-चढ़कर भाग लिया ।

लै. अरविन्द कुमार शर्मा, एन.सी.सी. अधिकारी को एन.सी.सी. ग्वालियर ग्रुप के द्वारा सम्मानित किया गया ।

कोहली डिविजन

3 म.प्र. नेवल यूनिट एन.सी.सी., ग्वालियर

सी/टी नरोत्तम निर्मल के नेतृत्व में [illegible] डिविजन के छात्र सैनिकों ने उत्कृष्ट [illegible] डिविजन के कैडेट राहुल विधिया ने [illegible] प्रोग्राम के अन्तर्गत नेपाल गये । [illegible] कैडेटों ने संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण [illegible] लिया ।

एन.सी.सी. नेवल विंग

सोमन डिविजन

3 म.प्र. नेवल यूनिट एन.सी.सी., ग्वालियर

ले. नीरज कुमार झा (आई.एन.) के कमान में गत वर्षों की तरह इस वर्ष भी सोमन डिविजन के छात्र-सैनिकों ने नियमित परेड, शिविरों तथा महाविद्यालय एवं अन्य संस्थाओं द्वारा आयोजित कार्यक्रमों में सक्रिय भूमिका निभाई । इनमें से उल्लेखनीय हैं - महामहिम राष्ट्रपति महोदय के मुख्य आतिथ्य में आयोजित जीवाजी विश्वविद्यालय का कार्यक्रम, विज्ञान महाविद्यालय तथा भगवत सहाय महाविद्यालय में माननीय मंत्री, उच्च शिक्षा के मुख्य आतिथ्य में आयोजित मोबाइल वितरण समारोह, एकात्मक यात्रा, श्री भगवान दास माहौर प्रतिमा अनावरण समारोह, स्वच्छता अभियान, स्मार्ट सिटी, मिनी मैराथन दौड़ आदि ।

डिविजन के छात्र सैनिक कैडेट कैप्टन शैलेन्द्र शर्मा तथा कैडेट संदीप शर्मा राष्ट्रीय एकता शिविर, मैटा (दिसम्बर 2018) में सम्मिलित हुए । डिविजन के छात्र सैनिक कैडेट रवीन्द्र शर्मा सैलर के रूप में इस वर्ष भारतीय नौसेना में सम्मिलित हुए । डिविजन के कमान अधिकारी ले. एन. के. झा संयुक्त वार्षिक प्रशिक्षण शिविर, ग्वालियर (3-10-2017 - 12-10-2017) में सम्मिलित हुए ।

राष्ट्रीय सेवा योजना

राष्ट्रीय सेवा योजना की महाविद्यालय में दो ईकाई है प्रत्येक ईकाई में 50 छात्र हैं। इस तरह 100 छात्र हैं । पिछले वर्ष 2016-17 में 48 छात्रों को 'बी' सर्टिफिकेट दिया गया एवं 28 छात्रों को 'सी' सर्टिफिकेट दिये गये । इस वर्ष 2017-18 में लगभग 40 छात्रों को 'बी' सर्टिफिकेट दिये जायेंगे । इस वर्ष माह मार्च में 7 दिवसीय कैम्प आयोजित किया गया, जिसमें 100 छात्र-छात्राओं ने भागीदारी की । इसके अतिरिक्त वृक्षारोपण, स्वास्थ्य शिविर, सफाई अभियान आयोजित किया गया । युवा सप्ताह में शहर के पुराने गणमान्य नागरिक, जो कि महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना के पुराने छात्र थे, ने महाविद्यालय में इस कार्यक्रम में भागीदारी की ।

राष्ट्रीय सेवा योजना में आस्था तोमर, अनिल सिंह जादौन, कौशल शर्मा, दिलीप गुर्जर, राघवेन्द्र तोमर एवं नितिन भार्गव की विशेष भागीदारी रही है ।

डॉ. मनीष खेमरिया
डॉ. सुशील कुमार

राजनीति विज्ञान एवं अन्तरराष्ट्रीय सम्बन्ध विभाग

राजनीति विज्ञान एवं अन्तरराष्ट्रीय सम्बन्ध विभाग ने इस सत्र में शैक्षणिक एवं शैक्षणेत्तर विधाओं में पूर्ववत् अपना महती योगदान दिया है। स्नातकोत्तर के छात्र-छात्राओं ने अंतिम परीक्षा में शत-प्रतिशत सफलता प्राप्त की। डॉ. कुसुम भदौरिया वर्तमान में विभाग की विभागाध्यक्ष हैं तथा डॉ. अलका भार्गव, डॉ. संजय सिंह, डॉ. सुधा गुप्ता, डॉ. विमा दूर्वार तथा डॉ. नीरज कुमार झा विभाग में कार्यरत हैं। आप सभी ने अध्यापन तथा महाविद्यालयीन कार्यों के निर्वहन के अतिरिक्त विभिन्न संस्थानों में आयोजित संगोष्ठियों में भागीदारी की तथा शोध पत्रों का वाचन किया। डॉ. सुधा गुप्ता के मार्गदर्शन में इस सत्र में 2 शोधार्थियों ने पी-एच.डी. उपाधि प्राप्त की। डॉ. गुप्ता के 2 आलेख भी राष्ट्रीय शोध पत्रिकाओं में प्रकाशित हुए। डॉ. नीरज कुमार झा ने उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद, नेहरू मेमोरियल म्यूजियम एवं लाइब्रेरी, नई दिल्ली, नॉर्थ ईस्ट हिल यूनिवर्सिटी, शिलांग, एम.पी.आई.एस.एस., उज्जैन तथा अन्य संस्थानों में आमंत्रित व्याख्याता के रूप में शोध पत्रों का वाचन किया। डॉ. झा के अनेक लेख भी इस वर्ष प्रकाशित हुए, जिनमें पीयर्सन पब्लिसिंग हाउस से प्रकाशित सम्पादित पुस्तक *इंडियन पॉलिटिकल थॉट* में ''पॉलिटिकल फिलोसफी ऑफ तुलसीदास'' उल्लेखनीय हैं।

भूगोल विभाग

सत्र के दौरान भूगोल विभाग की विभागाध्यक्ष सीमा चन्देल [illegible] सिंह प्राध्यापक के मार्गदर्शन में शैक्षणिक एवं शैक्षणेत्तर गतिविधियाँ [illegible] हुई। विषय से सम्बन्धित एवं अन्य सेवाओं में जाने के लिये [illegible] मार्गदर्शन के लिये डॉ. सरस्वती राजू, प्राध्यापक, दिल्ली विश्वविद्यालय [illegible] संक्षिप्त व्याख्यान आयोजित किया गया। विभाग में 3 [illegible] शोधार्थियों ने अपनी ज्वाइनिंग दी तथा 5 शोधार्थियों का शोध प्रबन्ध [illegible] किया, इसी के साथ जे.आर.एफ. के 5 विद्यार्थियों का चयन [illegible] हुआ। एक विद्यार्थी का चयन पटवारी के पद पर एवं एक विद्यार्थी [illegible] कोषालय अधिकारी के रूप में हुआ। प्रतिवर्ष की भाँति इस वर्ष भी [illegible] श्रीमती शोभा मंगल स्मृति छात्रवृत्ति एम.ए. के विद्यार्थियों को [illegible] सिंह एवं कु. तृषा चौहान को प्रदान की गई। जीवाजी विश्वविद्यालय [illegible] दीक्षान्त समारोह में इस वर्ष विभाग की पूर्व छात्रा कु. शिवानी [illegible] महामहिम राष्ट्रपति जी के हाथों डॉ. शंकर दयाल स्वर्ण पदक पुरस्कार [illegible] हुआ। विभागाध्यक्ष सीमा चन्देल द्वारा रायपुर विश्वविद्यालय में [illegible] अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी में शोध पत्र का वाचन एवं भाग लिया गया तथा [illegible] स्तर पर आयोजित शोध संगोष्ठी में सहभागिता की, इसी के साथ [illegible] सदस्यों ने महाविद्यालय की विभिन्न गतिविधियों में सहयोग प्रदान किया।

राजनीति विज्ञान विभाग में विस्तार व्याख्यान का आयोजन

राजनीति विज्ञान विभाग में दिनांक 26 फरवरी 2018 को ''वैश्वीकरण तथा भारत'' विषय पर विस्तार व्याख्यान का आयोजन हुआ। इस विस्तार व्याख्यान में जीवाजी विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. ए.पी.एस. चौहान मुख्य वक्ता एवं अतिथि के रूप में उपस्थित हुए। आपने कहा कि वैश्वीकरण की ओट में विश्व के सम्पन्न तथा शक्तिशाली देश तीसरी दुनिया के संसाधनों तथा बाजारों पर कब्जा कर रहे हैं। वैश्वीकरण के जो भी फायदे गिनाये जाय लेकिन यह तय है कि वैश्वीकरण समाज के कमजोर वर्गों, जैसे कि महिलायें, आदिम जातियाँ, दलितों आदि की परवाह नहीं करता है।

इस विस्तार व्याख्यान के आयोजन के अवसर पर महाविद्यालय की जनभागीदारी समिति के अध्यक्ष श्री चन्द्रप्रताप सिंह सिकरवार विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे। आपने महाविद्यालय में अकादमिक गतिविधियों को बढ़ाने की आवश्यकता पर बल दिया। तत्कालीन विभागाध्यक्ष डॉ. अलका भार्गव ने वैश्वीकरण की आड़ में चीन के बढ़ते प्रभुत्व को लेकर श्रोताओं को सावधान किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. नीरज कुमार झा, अतिथि परिचय डॉ. मनीष खेमरिया तथा धन्यवाद ज्ञापन डॉ. सुधा गुप्ता ने किया। इस व्याख्यान के अवसर पर प्रो. ए. के. वाजपेयी, डॉ. अरविन्द शर्मा, प्रो. विनोद कॉंफर, डॉ. अंजुलि शर्मा, डॉ. अनीता तिवारी, डॉ. अयूब खान तथा विभाग के अन्य सदस्य डॉ. कुसुम भदौरिया, डॉ. [illegible] तथा अन्य विभागों के सहित राजनीति विज्ञान विभाग के छात्र-छात्राएं [illegible] संख्या में उपस्थित थे।

'वैश्वीकरण की आड़ में हो रहा है बाजार पर कब्जा'

शक्तिशाली देश तीसरी दुनिया [illegible] देशों के बाजार पर कर रहे [illegible]

[illegible] कॉलेज में विस्तार व्याख्यान का आयोजन

मनोविज्ञान विभाग

मनोविज्ञान विभाग में इस सत्र भी वर्ष भर अकादमिक व शोध गतिविधियां संचालित रही । विभाग में समय-समय पर व्याख्यान एवं प्रति शनिवार कक्षा में विषय व सामाजिक सरोकार के विषयों पर विचार विमर्श किया जाता है । जिसमें स्नातकोत्तर स्तर विद्यार्थियों की सहभागिता अनिवार्य रखी गयी । विभाग में स्नातकोत्तर परिषद का मनोनयन किया गया । माह अगस्त में छात्र/छात्राओं हेतु 'सम्मोहन' पर एक लघु कार्यशाला **(Demonstration Session)** का आयोजन किया गया । शिक्षक दिवस पर विभागाध्यक्ष डॉ. अनिता तिवारी को **JCI GWLOSS** द्वारा उत्कृष्ट शिक्षक सम्मान प्रदान किया गया ।

विभाग द्वारा 10 अक्टूबर 17 को विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस पर **''मानसिक स्वास्थ्य एवं कानून''** विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें डॉ. अंजली शर्मा ने मानसिक रोगियों के कानून प्रावधानों पर व्याख्यान दिया । विभाग की प्रो. अनिता तिवारी व अतिथि विद्वानों द्वारा विभिन्न शोध संगोष्ठियों में सहभागिता की । विभाग का परिणाम 99% रहा । छात्र अखिलेश कुमार को विश्वविद्यालय की प्रावीण्य सूची में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ । विभाग के पूर्व छात्र श्री प्रतीक कुमार का चयन सहायक प्राध्यापक पद पर बिहार शासकीय सेवा में हुआ ।

CITY LIVE

प्रेम पिया हमसे नहीं बोलत...

युवा उत्सव का शुभारंभ

शिक्षा एक अनमोल रत्न, निखरता है व्यक्तित्व

एमएलबी कॉलेज में हुईं कहानी, एकांकी प्रतियोगिता

College Activity

ANCHOR

कार्टून से बयां किया किसानों का दर्द

रंगोली से बेटी बचाओ का संदेश

छात्राओं ने दिखाए हुनर

कार्टून कॉम्पटीशन में स्टूडेंट ने उके... जोखिम लेने में किसान सबसे आगे

युवा उमंग-कल्पनाओं के रंग